राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
पशुर्चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
अप्रैल, 2018

वर्ष 15 **अंक 4**

प्रिय पशुपालक भाइयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशु रोग पूर्वानुमान अप्रैल, 2018 माह हेतु प्रस्तुत है।

अप्रेल माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियां –

1. अप्रैल माह में वातावरण का तापमान बढ़ने से पशुओं में जल व लवणों की कमी, भूख कम होना एवं उत्पादन में कमी आदि देखने को मिलेगी अतः पशुपालकों को चाहिए की पशुओं को अधिक तापमान व धूप से बचाने के उपाय करें। भार ढ़ोने वाले पशुओ को दोपहर के समय छाया एवं हवादार स्थान में आराम कराएं।
2. पीने के पानी की उचित व्यवस्था करें। पशुओं को दिन में कम से कम 3 से 4 बार पानी उपलब्ध करने का इंतजाम करें। पानी की कुण्डी साफ रखे। पानी की कुण्डी में पशुपालक काम के उपरान्त हाथ–पांव ना धोये और ना ही इस पर पक्षियों को बैठने दे ताकि पशुओ को संक्रमण से बचाया जा सके।
3. पशुओं को लवण–मिश्रण पर्याप्त मात्रा में खिलाए जिससे पशुओं को लवण की कमी और निर्जलीकरण से बजाया जा सके। लवण–मिश्रण के स्थान पर सस्ता उपलब्ध सेधा नमक का भी उपयोग कर सकते ह।
4. इस माह में सामान्यतः चारे की कमी हाने से पशु पोषण अपेक्षाकृत कमजोर रहता है। ऐसे में पशुओं के शरीर में लवण विशेषकर फॉस्फोरस की कमी हो जाती है जिससे "पाइका" नामक रोग के लक्षण दिखाई देने लगते है। इसमें पशु अखाद्य वस्तुओं को खाने या चबाने लगता है अतः ग्रामवासी सामुदायिक प्रयासों से मृत पशु, हड्डी, चमड़ा, कंकाल आदि पशुओं की पहुंच से दूर रखें। इससे पशुओं को "बोट्लिज्म" नामक रोग से भी सुरक्षित रखा जा सकता है जो कि मृत शरीर के अवशेषों को खाने से होता है।
5. हरे चारे के अभाव में पशुओं को विटामिन "ए" के इंजेक्शन भी लगवाए ताकि शरीर में विटामिन की कमी पूर्ति हो सके।
6. इन महीनों में अप्रत्याशित वर्षा व ओलावृष्टि के समय पशुओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।
7. पशुपालकों को चाहिये कि यदि लंगड़ा बुखार, मुंहपका एवं खुरपका, गलघोटू एवं फड़किया इत्यादि रोगों के बचाव के लिए टीकाकरण नहीं करवाया गया है, तो पशुपालक पशु चिकित्सक से टोकाकरण अवश्य करवा लें ताकि वर्षा ऋतु में इन रोगों से पशुओं को प्रभावित होने से बचाया जा सके।
8. पशुपालक पशु चिकित्सक की सलाहनुसार अपने सभी पशुओं को कृमिनाशक दवा अवश्य पिलायें।
9. यदि दूध उत्पादन में कमी हो रही हो या फिर किसी अन्य वजह से पशु बीमार हा तो पशु–चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान अप्रैल, 2018

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुँहपका एवं खुरपका रोग	गाय, भैंस, बकरी, भेड़	भरतपुर, दौसा, बाँसवाड़ा, श्रीगंगानगर, चूरू, जयपुर, झंझुन, सवाई–माधापुर, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, नागौर, अलवर, हनुमानगढ़, सीकर, अजमेर, जालोर, बीकानेर, बाड़मेर
पी.पी.आर. रोग	भेड़, बकरी	सवाई–माधोपुर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, उदयपुर, नागौर, अजमेर, सीकर, कोटा, जालोर, भीलवाड़ा
चेचक (माता) रोग	बकरी, भेड़, ऊँट	जयपुर, श्रीगंगानगर, झुंझुंनू, जालोर, बीकानेर, हनुमानगढ
गलघोंटू रोग	गाय, भैस	अलवर, धौलपुर, जयपुर, सवाई–माधोपुर, बूँदी, अजमेर, दौसा, राजसमन्द, झंझुन, बारां, सीकर, पाली, हनुमानगढ़
ठप्पा रोग	गाय, भैस	जैसलमेर, चित्ताड़गढ़, राजसमन्द, बीकानेर, झुंझनू, हनुमानगढ़, जालोर, श्रीगंगानगर, जोधपुर
फड़किया रोग	भेड़, बकरी	सवाई–माधोपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, अलवर, नागौर, धौलपुर, टोंक, जोधपुर
न्यूमोनिक पाश्चुरेल्लोसिस	गाय, भैंस, भेड़, बकरी	अलवर, टोंक, सीकर, बीकानेर, हनुमानगढ़, झझुंनू
बोटूलिज्म	गाय	जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, पाली, श्रीगंगानगर
कंटेजियस कैपराइन प्लयूरोन्यूमोनिया	भेड़, बकरी	जयपुर, झुंझुंनू, श्रीगंगानगर, बारां
सारा (तिबरसा) रोग	भैंस, ऊँट, गाय	धौलपुर, नागौर, बाँसवाड़ा, हनुमानगढ़, भरतपुर
अन्तः परजीवी– गोल– कृमि, पर्ण–कृमि	गाय, भैंस, भेड़ बकरी	डूँगरपुर, बूँदी, धौलपुर, भरतपुर, सीकर, बाँसवाड़ा, कोटा, राजसमन्द, हनुमानगढ, श्रीगंगानगर
रानीखेत रोग (Ranikheth disease)	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा
इन्फेक्शियस ब्रोंकाइटिस (Infectious Bronchitis)	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए. के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री भारत सरकार की सेवार्थ बुक पोस्ट
अंक 15 (4) 2018

सेवा में,

.....

.....

.....

प्रेषक –

प्रसार शिक्षा निदेशालय
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org